Part – 1

प्रश्न 13. परिणीतामे संकलित “ बहैत धार ” शीर्षक कथाक सारांश लिखू ।

उतर - एहि पुरूष प्रधान समाजक दोष थिक जे एक निरपराध स्त्रीकेँ प्रताड़ित करबासँ बाज नहि अबैत अछि । ‘ बहैत धार ’ शीर्षक कथामे सासु - अपन पुतोहु केँ बेटाक माध्यमसँ घोर यातना लेल प्रेरित करैत अछि । बेटा बिनु अपन स्त्रीक पक्ष जनने चल्हिकेँ जड़ैत चेरासँ मारैत अछि । एहि कथाक मध्यमसँ कथाकर एक स्त्रीकेँ स्त्री दुवारा सतयबाक घटनाक वर्णन कैल अछि ।

उषा एक पुत्रक माय थिकीह , घरक काम - काजसँ पलखति भेटला पर अपन बेटा लग अबैत अछि। त ओ सूतल नेना उठि क कानय लगैत अछि । माय दुलार करैत छुप करबाक प्रयास करैत अछि त ओ बच्चा चुप नहि होइत अछि । खिसिया क

कनि टोनी दै छै । ओ नेना आओर जोर - जोर सँ कानय लगैत अछि । बगलकेँ कोठलीमे उषाक सासु जागि जाइछ , ओ आवि क मायक कोरा सँ बच्चाकेँ छीनी अनाप - सनाप गारि फज्जैत करैत हाथ उठा लैछ । बर्दास्त सँ बाहर भेला पर उषा सासुक हाथ पकड़ि लैत अछि । तकरा बाद लात मुक्का सँ मारैत , केश पकड़ि घींच लगैत अछि । उषाकेँ कतेको दिनसँ ज्वर रहैत छलन्हि , ओ कमजोर भ गेल छलीह ओ खसि पड़लीह पेटीसँ माथ फूटी गेल छलनि । खून बह लागल छलनि । उषाक बेटा अमित बाबीक कोरामे आओर जोरसँ कान लागल छल । आब सासु उनटे अपन तिरीया चरित्र देखाबैत गरज लगलीह । ई बच्चा केँ मारि देत । राक्षसी एहि घरसँ नहि जायस तँ हम एहि घरक पानि नहि पीयब । तै पर सँ उषाक बाप भाइकेँ अश्रव्य गारि । उषा निरूपाय भ सभटा सुनैत रहलीह । एकर बाद माय - बेटा मिलि उषाकेँ घर सँ निकालि देलनि ।